

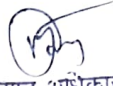
तारीख हुकूम	हुकूम या कार्यवाही मध्य इनिशिएटिव्स जज	नंबर व तारीख अवकाश को दान हुकूम को लागू में जाती है।
25/09/24	<p>अधिवक्ता प्रार्थी एवं अप्रार्थी तहसीलदार सोजत उम्मा बहस व कुलाय सुनी गई। अधिवक्ता प्रार्थी ने प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर निवेदन किया कि खरहरा मौजा कानावास तहसील सोजत जिला पाली में खरहरा संख्या 80/1 रकबा 0.8000 हैक्टर की भूमि प्रार्थी के पिता हेमाराम पुत्र कुधाराम जाति भाट निवासी कानावास के नाम की खातेदारी व कब्जा काशत सुदा भूमि आई हुई स्थित है। प्रार्थी के पिता हेमाराम का देहान्त दिनांक 05.11.2010 को हो गया है। प्रार्थी के अलावा हेमा पुत्र कुधा के कोई संतान/ वारिस नहीं है। प्रार्थी के माता पिता के देहान्त के बाद उक्त भूमि पर प्रार्थी का आज दिन तक शांतिपूर्वक, बिना किसी रोक टोक कब्जा चला आ रहा है। वादग्रस्त कृषि भूमि में प्रार्थी ने रहवास हेतु अपना भकान बनाया तथा हेडपम्प प्रार्थी ने लगवाया है। प्रार्थी के माता व पिता देहान्त होने के बाद पटवारी हल्का ने विधि विरुद्ध ढंग से व मनमाने तरीके से फर्द मौका रिपोर्ट बनाई जिसमें श्रवणराम को हेमाराम का पुत्र न बताते हुए वलाराम का बेटा बता दिया जबकि वलाराम का बेटा बता दिया जबकि वलाराम का श्रवण नाम का कोई पुत्र नहीं है। पटवारी हल्का विधि विरुद्ध ढंग से किसी अन्य व्यक्ति रतनाराम, धेवरराम, प्रकाश, व प्रेम पिसरान हेमाराम के नाम वादग्रस्त कृषि भूमि का अनूचित प्रलोभन लेकर म्यूटेशन भरने पर आमादा है, जबकि यह लोक झूझनु के रहने वाले है। यदि ऐसा करने में वे सफल होते है तो प्रार्थीगण को अणूणीय क्षति होगी। जिससे अप्रार्थीगण को जरिये अस्थाई निवेधाज्ञा वाद निर्णय तक मौजा कानावास के खरहरा नम्बर 80/1 रकबा 0.8000 हैक्टर भूमि का नामा0 दर्ज नहीं करने तथा प्रार्थी के कब्जे काशत में दखन नहीं करने हेतु पाबद्ध किये जाने की ईशतदुआ की है।</p>	
	<p>जबाब प्रार्थना पत्र पेश कर अप्रार्थी ने निवेदन किया कि पैरा संख्या 01 में स्थित कृषि भूमि कानावास में स्थित है। पैरा संख्या 02 में वर्णित तथ्य प्रार्थी स्वयं साबित करे। तथा पैरा संख्या 03 से 08 कानूनी है।</p>	
	<p>हमने पत्रावली का अवलोकन किया। प्रस्तुत फहरिस्त मय दस्तावेज का अध्ययन कर बहस अधिवक्ता प्रार्थी एवं अप्रार्थी तहसीलदार सोजत सुनी गई। प्रार्थी उक्त प्रार्थना पत्र के जरिये खरहरा नम्बर 80/1 के फौतेदगी नामा0 की कार्यवाही स्थगित करवाना चाहता</p>	

तारीख दुगम

दुगम या कार्यवाही मय इन्डियन जज

नम्बर १ तारीख  
वदकाम ही इम  
दुगम की तारीख ११  
तारीख दुगम

है किन्तु किसी प्रकार के दस्तावेजी साक्ष्य में यह साबित नहीं कर पाया है कि किस प्रकार प्रथम दृष्टया मामला उसके पक्ष में है। तहसीलदार द्वारा नामा० दर्ज करने से पूर्व समस्त विधिक प्रक्रिया पूरी करने के पश्चात ही नामा० की कार्यवाही की जाती है। जिससे हस्तगत प्रकरण में अप्रार्थी के विरुद्ध अस्थाई निषेधाज्ञा जारी की जाना उचित नहीं समझते हैं। प्रार्थी का प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 212 आर०टी०एक्ट० पोषणीय नहीं होने से खारिज किया जाता है। पत्रावली फैशल शुमार नम्बर से कम हो।

  
सुपरवण्ड अधिकारी,  
सोजत (राज.)